पहल

चीन से आने वाला कच्चा माल अब यहां बनने वाले निजी व सरकारी टेक्सटाइल पार्कों में तैयार होगा

यूपी टेक्सटाइल क्षेत्र में चीन पर निर्भरता कम करेगा

■ अजित खरे

लखनऊ। चीन से कच्चे माल पर निर्भरता कम करने में अब यूपी अहम भूमिका निभाएगा। यहां निजी सेक्टर में बनने जा रहे टेक्सटाइल पार्कों में कच्चे माल का भी उत्पादन होगा। लखनऊ के मेगा टेक्स्टाइल पार्क ही नहीं , नए टेक्सटाइल पार्कों में इसक निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा।

अभी कच्चे माल के रूप में मानव निर्मित फाइबर मसलन पालिस्टिर, नायलान आदि का निर्माण भारत में कुछ ही कंपनियां करती हैं। बाकी चीन व अन्य देशों से आयात होता है। देश के बड़े वस्त्र निर्माता कंपनियां यह कच्चा माल वहीं मंगाती हैं। यूपी ने उनकी समस्या को समझते हुए अपने यहां कच्चे माल के उत्पादन पर भी जोर दिया है। अभी यूपी में 605 टन मानव निर्मित फाइबर की खपत रोजाना होती है। कच्चा माल का निर्माण शामली में बन रहे निजी टेक्सटाइल पार्क में भी होगा और लखनऊ के मेगा मित्र टेक्सटाइल पार्क में भी होगा।

सरकार का मकसद कच्चे माल निर्माण को बढ़ावा देना है क्योंकि यूपी में बड़ा बाजार है और कच्चा माल उपलब्ध होने से यहां वस्त निर्माण की लागत और घटेगी।

आलोक कुमार, प्रमुख सचिव एमएसएमई

लखनऊ के टेक्सटाइल पार्क का शिलान्यास अगले महीने, मास्टर डवलपर का चयन जल्द

पीएम मेगा टेक्स्टाइल पार्क लखनऊ व हरदोई के बीच 1,162 एकड़ में बन रहा है। इस पार्क को डवलप करने, भूखंड आवंटित करने, निवेशकों को यहां लाने के काम के लिए मास्टर डवपलर का काम जल्द होगा। एमएसएमई विभाग मास्टर डवलपर के चयन के लिए अपने अहम प्रस्ताव को कैबिनेट से पास कराएगी। सूत्रों के मुताबिक लगभग न्यूनतम 1600 करोड़ रुपये इस बिड के लिए रखे गए हैं। यानी चयनित कंपनी इतनी रकम पार्क में भूखंड विकसित कर, बुनियादी सुविधाएं तैयार करने में खर्च करेगी। इसके बाद निवेशकों को बेचेगी।